

^ भरत पियारा मेरो, नाम हनुमान _^_

भरत पियारा मेरो, नाम हनुमान ।

नाम हनुमान, मेरो नाम हनुमान ॥

कोण दिशा से आयो मेरा भाई, इस पहाड़ को करसी काई ।

देख लीनी तेरी प्रभुताई, झेल्यो मेरो बाण ॥१ ॥

लंकापुरी से आयो मेरा भाई, लक्ष्मण जी ने मूर्छा आई ।

रावण सूत ने बाण चलायो , मार्यो शक्तिबाण ॥ २ ॥

कहो भरत क्या जतन बणाऊ, लंगड़ा कर दिया कैसे जाऊ ।

संजीवन कैसे पहुंचाऊ, उदय होसी भान ॥ ३ ॥

आओ बाला बेठो बाण पर, तने पहुंचा द्यु लंका धाम में ।

ऐसी मेरे जंच रही ध्यान में, बाण विमान ॥ ४ ॥

ले संजीवन हनुमत आये, लक्ष्मण जी ने घोट पिलाए ।

सुखीराम भाषा में गाये, चरणों में ध्यान ॥ ५ ॥

जय बीर बजरंग बली की.....

जय श्री नाथजी की